सबसे बूढ़ा जीव हरा-भरा है

भूमध्य सागर में एक समुद्री घास मिली है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि यह शायद दुनिया की सबसे प्राचीन जीव है। यानी फिलहाल जीवित समस्त जीवों में इसकी उम्र सबसे ज़्यादा है। ऑस्ट्रेलिया के वेस्टर्न विश्वविद्यालय के कार्लोस डुआर्टे ने स्पैन से लेकर सायप्रस तक फैले 3500 किलोमीटर समुद्र के पेंदे में 40 स्थानों से *पोसिडोनिया ओशिएनिका* नामक घास के नमूने प्राप्त किए और उनके डीएनए की श्रृंखला का निर्धारण किया। देखा गया कि फॉरमेंटेरा द्वीप के निकट करीब 15 किलोमीटर के क्षेत्र में इसकी डीएनए श्रृंखला हूबहू एक-सी पाई गई।

बाकी समुद्री घासों के समान *पोसिडोनिया ओशिएनिका* भी क्लोनिंग के ज़रिए प्रजनन करती है यानी इसके टुकड़े ही इसे फैलाने का काम करते हैं। इसलिए काफी दूर-दूर तक फैले घास के गुच्छे जिनेटिक रूप से एक समान होते हैं और इन्हें एक ही जीव माना जाता है।

वर्तमान में इस पौधे की वृद्धि दर को देखते हुए, कार्लोस डुआर्टे के दल का मानना है कि फॉरमेंटेरा के निकट फैली घास के फैलाव के आधार पर कहा जा सकता है कि यह 80,000 से 2,00,000 साल पुरानी है। यानी यह दुनिया का सबसे बूढ़ा जीव है।

इससे पहले सबसे बूढ़े जीव का खिताब तस्मानिया में पाई जाने वाली समुद्री घास *लोमेटिया तस्मानिका* के नाम था। वह 43,000 साल से जीवित है। यह तो सही है कि दो लाख साल से जीवित इस पौधे में गज़ब की जीजिविषा होगी मगर डुआर्टे का कहना है कि आज यह पौधा जलवायु परिवर्तन के चलते खतरे में है। भूमध्य सागर विश्व औसत से ज़्यादा तेज़ी से गर्म हो रहा है और *पोसिडोनिया ओशिएनिका* के फैलाव में प्रति वर्ष 5 प्रतिशत की कमी आ रही है। संभवतः इस घास ने पहले कभी इस तरह के त्वरित जलवायु परिवर्तन का सामना नहीं किया था। ***(स्रोत फीचर्स)***